ज्ञानदर्शन

त्रैमासिक समाचार बुलेटिन (अक्टूबर 2011 – दिसम्बर 2011)

ज्ञान महाविद्यालय, अलीगढ़ (उ. प्र.)

Website : www.gyanmahavidhyalaya.com, E-mail : gyanmv@gmail.com

श्रीमती आशा देवी	श्री दीपक गोयल	डॉ. आर.एस. शर्मा	आभा कृष्ण जौहरी	रामकिशन शर्मा
अध्यक्षा एवं संरक्षिका	सचिव	प्राचार्य	प्रधान सम्पादिका	सह सम्पादक

मेरी बात...

पत्र, पत्रिकाएँ और स्मारिकाएँ मानवीय बौद्धिक अभिव्यक्तियों की सजीव परिचायिकाएँ हैं, यदि गम्भीरता और दायित्व बोध के साथ उन्हें प्रकाशित कराया जाये। ज्ञान महाविद्यालय के शिक्षा संकाय (बी.एड. विभाग) ने अपनी बौद्धिक व पाठ्य सहगामी क्रियाकलापों की अभिव्यक्ति 'ज्ञान दर्शन' समाचार बुलैटिन के माध्यम से की है। डॉ. भीमराव अम्बेदकर विश्वविद्यालय में सतत् श्रम और लगन के बल पर ज्ञान महाविद्यालय ने अलीगढ़ जिले में स्ववित्त पोषित संस्थाओं में एक उल्लेखनीय पहचान बना ली है। इसमें प्रबन्धकारिणी समिति के पदाधिकारियों, सदस्यों, प्राचार्य, प्राध्यापकों, छात्र-छात्राओं का अनवरत प्रयत्न एवं श्रम छिपा हुआ है। भव्य भवन, सभागार, पुस्तकालय, प्रयोगशाला आदि दृष्टि से महाविद्यालय समृद्ध है।

(श्रीमती) आभाकृष्ण जौहरी

गांधी जयन्ती

महाविद्यालय के शिक्षा संकाय में गांधी जयन्ती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉलेज प्राचार्य डा. आर.एस. शर्मा, उप-प्राचार्य डा. वाई.के. गुप्ता, कालेज अनुशासन अधिकारी डा. बी.डी. उपाध्याय, विज्ञान संकाय प्रभारी डा. एस.एस. यादव व बी.एड. विभाग की प्रभारी श्रीमती आभाकृष्ण जौहरी ने महात्मा गांधी जी की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित किए। शिक्षा संकाय द्वारा 'बुनियादी शिक्षा' विषय पर एक निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कु. भावना गुप्ता को प्रथम, सपना अरोरा द्वितीय व कु. प्रिंसी शर्मा व कंवलजीत सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस आयोजन में साहित्यिक समिति की अध्यक्षा श्रीमती आभाकृष्णा जौहरी को प्रो. रामकिशन, प्रो. लखमी चन्द व प्रो. रजनी का सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के निर्णायक मण्डल में विज्ञान संकाय के डा. एस.एस. यादव, डा. जे.के. शर्मा, वाणिज्य विभाग व विवेक मिश्र एवं प्रीति पंकज, कला संकाय थे।

डांडिया प्रस्तुति

4 अक्टूबर 2011 को महाविद्यालय में नवरात्रों के अवसर पर डांडिया कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के विभिन्न संकाय के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया व डांडिया के माध्यम से मनोहारी नृत्य प्रस्तुति दी। महाविद्यालय के महिला प्राध्यापकों ने भी अपनी प्रस्तुति दी और कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के साथ डांडिया नृत्य का लुत्फ उठाया। कार्यक्रम का संचालन डा. रेखा शर्मा ने किया।

Scanned by CamScanner

मोमबत्ती एवं दीप सज्जा प्रतियोगिता

दिनांक 14 अक्टूबर को शिक्षा संकाय में मोमबत्ती व दीप सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के दीप व मोमबत्ती बनाकर क्रियात्मक कौशल का परिचय दिया। छात्रों का उत्साह बढ़ाने के लिए संकाय के सभी प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डा. रेखा शर्मा व प्रो. सरिता याजनिक ने किया।

लिफाफा एवं ग्रीटिंग प्रतियोगिता

ज्ञान महाविद्यालय में बी.एड. संकाय में दीपावली के अवसर पर 'लिफाफा निर्माण' तथा ग्रीटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओंने भाग लिया। इस अवसर पर शिक्षा संकाय की विभागाध्यक्षा श्रीमती अभाकृष्णाजौहरी, प्रो. सरिता याजनिक, डॉ. रेखा शर्मा, प्रो. मधु चाहर, प्रो. रंजना, प्रो. गिर्राज किशोर, प्रो. रजनी, प्रो. रामकिशन, प्रो. पूनम माहेश्वरी, प्रो. लखमी चन्द्र व महाविद्यालय के अन्य प्रवक्तागण उपस्थित रहे।

दीपावली मेला

महाविद्यालय में 4 नवम्बर 2011 को दीपावली के उपलक्ष्य में दीपावली मेले का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री सुखलाल भारती, ए.डी.एम. वित्त, विशिष्ट अतिथि प्रो. जियाउद्दीन खेरूवाला, चेयरमैन वाणिज्य विभाग ए.एम.यू. व सुश्री पूनम बजाज , सचिव, एस.वी. कालेज थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रबन्ध समिति अध्यक्षा श्रीमती आशा देवी ने की। दीपावली मेले का आरंभ प्रबन्ध समिति सचिव श्री दीपक गोयल ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके किया। मेले में निःशुल्क परामर्श केन्द्र का उद्घाटन श्री खेरूवाला व श्री सुखलाल भारती के द्वारा किया गया। मेले में महाविद्यालय के विभिन्न संकायों के छात्र-छात्राओं ने खान-पान से सम्बन्धित विभिन्न स्टॉलों को लगाया। मेले में स्वास्थ्य संबंधी जानकारी बी.टी.सी. विभाग द्वारा लगाए स्टॉल पर दी गई। मेले के समापन पर उत्तम स्टॉल को सचिव श्री दीपक गोयल व प्राचार्य डा. आर.एस. शर्मा ने पुरस्कृत किया।

टेलेंट हंट प्रतियोगिता

ज्ञान महाविद्यालय में 'बाल दिवस' के उपलक्ष्य में 'टेलेन्ट हन्ट' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के सभी संकाय के छात्र-छात्राओं ने मॉडलिंग का हुनर प्रस्तुत किया। जिसमें बालिका वर्ग में बी.बी.ए. की मीनाक्षी निशाद प्रथम व बी.एड. की रीनू द्वितीय रहीं। वहीं बालक वर्ग में बी.बी.ए. के रजनीश प्रथम व बी.एड. के प्रदीप द्वितीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. अंजना गोयल (फैशन डिजायनर) व निर्णायक मण्डल के मृदुल शांलल्य (मॉडल, मुम्बई) उपस्थित रहे।

Scanned by CamScanner

अतिथि व्याख्यान एवं सूक्ष्म शिक्षण

ज्ञान महाविद्यालय में अतिथि व्याख्यानमाला के अन्तर्गत डा. शर्मिला शर्मा, रीडर, शिक्षा संकाय, श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय, अलीगढ़ के द्वारा 'शिक्षण कौशल' पर दिनांक 3 दिसम्बर 2011 को ज्ञान सभागार में सारगर्भित व्याख्यान दिया गया। डा. शर्मिला शर्मा ने शिक्षण को प्रभावशाली बनाने के लिये विभिन्न शिक्षण कौशल में पारंगत होने की कला पर अपने अनुभव एवं विचार प्रस्तुत किये। विभिन्न शिक्षण कौशलों को एकीकृत करके कक्षागत शिक्षण अभ्यास में पारंगत होने के लिए तकनीकी बताई जिससे भावी शिक्षक अपने शिक्षण को अच्छा, रुचिकर एवं प्रभावी बना सकें। कार्यक्रम में डॉ. श्रीमती शर्मिला शर्मा का स्वागत बी.एड. प्रभारी श्रीमती आभाकृष्ण जौहरी ने पुष्प गुच्छ भेंटकर किया व संचालन भी किया। डा. श्रीमती शर्मा को उप-प्राचार्य डा. वाई. के. गुप्ता ने प्रतीक चिन्ह भेंटकर कर उनका आभार व्यक्त किया। अतिथि व्याख्यान के पश्चात् बी.एड. संकाय के छात्र-छात्राओं ने 15 दिसम्बर 2011 से सूक्ष्म शिक्षण का अभ्यास किया तथा शिक्षिण के विभिन्न कौशलों को व्यावहारिक रूप से सीखा।

स्वरांजलि : दि सोल ऑफ इंडिया

महाविद्यालय के ज्ञान भवन में दिनांक 19 दिसम्बर 2011 को 'स्पिक मैके' सोसाइटी के द्वारा स्वरांजलि कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। यह सोसाइटी युवा वर्गमें भारतीय कला संस्कृति के प्रमोशन के लिए देश-विदेश में कार्यरत है। कार्यक्रम का शुभारम्भ सुंयक्त रूप से सचिव श्री दीपक गोयल, विशिष्ट अतिथि श्री व श्रीमती लक्ष्मी गोयल कुलकर्णी ने दीप प्रज्जवलित करके किया। इस कार्यक्रम में दोनों अतिथि कलाकार श्री सलिल भट्ट, वीणावादक व श्री हिमांशु मोहंत तबलावादक की जुगलबंदी ने श्रोताओं को भरपूर आनन्द दिया। प्राचार्य डा. आर.एस. शर्मा ने अतिथियों को प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन बी.एड. प्रवक्ता प्रो. सरिता याजनिक व बी.टी.सी. प्रभारी श्रीमती बबीता यादव ने किया।

काकोरी काण्ड (शहीद दिवस)

20 दिसम्बर 2011 को महाविद्यालय के ज्ञान सभागार में काकोरी काण्ड के क्रान्तिकारियों की स्मृति में शहीद दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. शमीम अहमद, पूर्व प्राचार्य महिला पॉलीटेक्निक ए.एम.यू. अलीगढ़ थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आर्य समाजी विद्वान श्री देव नारायण भारद्वाज ने की। मुख्य वक्ता के रूप में श्री विद्यार्णव शर्मा, सी.ओ. (उ.प्र. पुलिस) व विशिष्ट अतिथि गजल गायक जॉनी फास्टर थे। शहीद दिवस पर विभिन्न संकायों के छात्रों ने देशभक्ति गीत, नृत्य व नाटक के माध्यम से शहीदों को श्रद्धांजलि दी। शहीद ए. आजम, भगत सिंह, राजगुरू व सुखदेव को ब्रिटिश सरकार द्वारा फांसी देने की घटना का नाट्यमंचन अत्यंत प्रशंसनीय था। कार्यक्रम का संचालन डा. अन्तिमा कुलश्रेष्ठ व प्रो. प्रीति पंकज ने किया व डा. वेदप्रकाश गुप्ता संयोजक थे।

Scanned by CamScanner

पुरातन छात्र समिति गठन

दिनांक 22.12.2011 दिन गुरुवार को महाविद्यालय के सरस्वती सभागार में पुरातन छात्र समिति का गठन किया गया। इस अवसर पर श्री दीपक गोयल सचिव, प्रबन्ध समिति के निर्देशन में चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न हुई। चुनाव प्रभारी विज्ञान संकाय डा. एस.एस. यादव व सह-चुनाव अधिकारी ने डा. मनोज यादव, प्रवक्ता (कला संकाय), डा. जे.के. शर्मा प्रवक्ता (वाणिज्य संकाय) व प्रो. रामकिशन शर्मा प्रवक्ता (शिक्षा संकाय) के सहयोग से सम्पन्न कराया। चुनाव में पूर्व बी.एड. छात्र श्री देवेन्द्र सिंह यादव अध्यक्ष व अन्य पदाधिकारियों को चुना गया।

पाँच दिवसीय कार्यशाला

ज्ञान महाविद्यालय में शिक्षा संकाय की ओर से दिनांक 26.12.11 से 30.12.11 तक पाँच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विभिन्न क्षेत्रों से आये विद्वानों ने शिक्षण को प्रभावशाली बनाने के लिये व्याख्यान दिये गये। कार्यशाला के समन्वयक के उत्तरदायित्व का वहन डा.जे.पी. सिंह एसोसियेट प्रोफेसर, शिक्षा संकाय, डी.एस. कालेज, अलीगढ़ द्वारा किया गया। कार्यशाला के प्रथम दिवस पर 'धार्मिक शिक्षा का महत्व' विषय पर अतिथि व्याख्यान हुआ जिसमें मुख्य वक्ता डा. सुरेश चन्द्र शर्मा, पूर्व प्राचार्य के.ए.पी. कालेज, कासगंज थे। द्वितीय दिवस पर 'शिक्षा क्या और क्यों' विषय पर डा. वेदराम शर्मा, पूर्व डीन, शिक्षा संकाय द्वारा अतिथि व्याख्यान दिया गया। कार्यशाला के तृतीय दिवस पर 'शिक्षा में शोध का महत्व' विषय पर अतिथि व्याख्यान हुआ जिसमें मुख्य वक्ता ए.एम.यू. के एसोसियेट प्रोफेसर डा. पुनीता गोविल थीं। कार्यशाला के चौथे दिवस पर डा. निर्मल कुमार, विभागाध्यक्ष, शिक्षा संकाय एस.वी. कालेज, अलीगढ़ ने ओजपूर्ण व्याखान दिया जिसका विषय 'शिक्षण प्रविधियों का अभिविन्यास' था। कार्यशाला का समापन कार्यशाला के समन्वयक व शिक्षा संकाय डी.एस. कालेज, अलीगढ़ के एसोसियेट प्रोफेसर डा. जे.पी. सिंह के व्याख्यान जिसका विषय 'व्याख्यान विधि का प्रभावी प्रयोग' द्वारा हुआ।

संक्षिप्त समाचार

महर्षि वाल्मीकि जयन्ती

11 अक्टूबर 2011 को महाविद्यालय में महर्षि बाल्मीकि जयन्ती के जन्मदिन के सुअवसर पर बाल्मीकि जयन्ती का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को महर्षि बाल्मीकि के जीवन से सम्बन्धित विभिन्न घटनाओं की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को उनकी जीवन शैली से अवगत कराया गया। हमारी हिन्दू संस्कृति के महाकाव्य रामायण के रचियता महर्षि बाल्मीकि के विचारों पर प्रकाश डाला गया। बी.एड. विभागाध्यक्षा श्रीमती आभाकृष्ण जौहरी, प्रवक्तागण प्रो. सरिता याजनिक, प्रो. पुष्पेन्द्र कुमार, प्रो. गिर्राज किशोर वार्ष्णेय, प्रो. मधु चाहर, प्रो. रामकिशन एवं अन्य वक्ताओं द्वारा उनके जीवन व कृति विषयक सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए गए। इसमें बी.एड. संकाय के छात्र कवल जीत, राजवीर, संजय, शिखा एवं भावना और अल्का अग्रवाल ने भी अपने विचारों को व्यक्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डा. आर.एस. शर्मा ने की।

शैक्षिक भ्रमण

24 नवम्बर 2011 को ज्ञान महाविद्यालय की ओर से शैक्षिक भ्रमण हेतु सभी छात्र-छात्राओं को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर लगने वाले ट्रेड फेयर में नई दिल्ली ले जाया गया। जिसमें सभी छात्र-छात्राओं को अलग-अलग देशों से आये लोगों की कलाओं तथा संस्कृति से अवगत कराया गया। ट्रेड फेयर के पश्चात् सभी छात्र-छात्रा अक्षरधाम पहुंचे जहां सभी को फाउण्टेन शो दिखाया गया, जो रात की चाँदनी में अत्यन्त मनमोहक लग रहा था। इस शो के माध्यम से मनुष्य के जन्म से मृत्यु तक की घटनाओं को बड़े ही अद्भुत तरीके से प्रस्तुत किया गया। इस शैक्षिक भ्रमण में प्रवक्ता प्रो. सरिता याजनिक, प्रो. रंजना सिंह, प्रो. पूनम माहेश्वरी, प्रो. गिर्राज किशोर, प्रो. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, प्रो. लखमीचन्द्र व श्री सत्यभान आदि उपस्थित थे। शैक्षिक भ्रमण की संयोजिका डॉ. रेखा शर्मा एवं प्रो. मधु चाहर थीं।

देवी भजन कार्यक्रम

दिनांक 3 अक्टूबर 2011 को महाविद्यालय में देवी भजन का आयोजन किया गया जिसमें सचिव श्री दीपक गोयल ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित किया। इस कार्यक्रम में सभी छात्र-छात्राओं व प्रवक्ताओं ने भजनों का आनन्द लिया व सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन डा. रेखा शर्मा ने किया।

"जैसे सोते हुए सिंह के मुख में मृग स्वयं प्रवेश नहीं कर सकता, उसी प्रकार परिश्रम के द्वारा ही कार्यों की सिद्धि होती है, मनोरथ से नहीं"

Varshney Printing House # 9758286283, 9536197078

Scanned by CamScanner